*धन्यवाद ज्ञापन**

जी. गोपालकृष्ण

आदरणीय गवर्नर डॉ सुब्बाराव, अम्बेसेडर रिचर्ड बाउचर, उप महासचिव, ओईसीडी, श्री ओन्नो रुल, विश्व बैंक, भारतीय रिज़र्व बैंक के उप गवर्नर महोदय गण डॉ.के.सी.चक्रवर्ती और डॉ. ऊर्जित पटेल, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार और राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारीगण, मिस फ्लोरे-एनी मेसी, ओईसीडी, ओईसीडी विश्व बैंक तथा सार्क देशों के मान्य डेलिगेट्स, बैंकों के अध्यक्ष तथा प्रबन्ध निदेशक गण, रिज़र्व बैंक के मेरे साथियो, देवियो और सज्जनो !!

2. सर्वप्रथम तो मैं आभार प्रकट करना चाहता हूं माननीय गवर्नर डॉ सुब्बाराव का, जिन्होंने अपने व्यस्त समय में से इस सम्मेलन के उद्घाटन के लिए अपना समय निकाला। आपका मूलस्वर भाषण, ज्ञानालोकित करने वाला था जिसमें आपने भारत में वित्तीय समावेशन और वित्तीय साक्षरता की प्रक्रिया को विस्तार से प्रस्तुत किया। वित्तीय समावेशन भारत के लिए एक राष्ट्रीय मिशन है। आज आपकी प्रस्तुति ने, वित्तीय समावेशन और वित्तीय साक्षरता के लक्ष्यों के प्रति आपकी प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से परिलक्षित किया। संभवतः आप एकमात्र ऐसे गवर्नर हैं जिन्होंने कि वित्तीय समावेशन और वित्तीय शिक्षा का कार्य अपने हाथ में लिया। आपके द्वारा उन चुनौतियों के दिए गए उदाहरण, जिन्हें अभी 'सार्थक वित्तीय समावेशन' की दिशा में पूरा किया जाना जरूरी है, वास्तव में विचारोत्तेजक हैं। सर, हमें विश्वास है कि आपके द्वारा प्रस्तुत विचार और परिप्रेक्ष्य, आगामी तीन दिनों में एक सार्थक बहस और चर्चा के आधार बनेंगे और इस सम्मेलन को सच्चे अर्थों में एक प्रभावकारी मंच सिद्ध करेंगे। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

3. जैसा कि गवर्नर महोदय ने इंगित किया है इस सम्मेलन की मेजबानी में ओईसीडी तथा विश्व बैंक की सहभागिता भारत के लिए एक अमूल्य शिक्षण अनुभव है। इन दो संस्थाओं ने वित्तीय शिक्षा और वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में जो कार्य किया है वह अन्य संस्थाओं के लिए अनुकरणीय है और बैंचमार्क का काम करेगा। एम्बेसेडर श्री बाउचर जी, आज आपने अपने 'अथ-भाषण' में उन समन्वित प्रयासों का सारांश सही अर्थों में प्रस्तुत किया जो कि वित्तीय साक्षरता और शिक्षा के कार्य को आगे बढ़ाने के लिए संसार भर में किए जा रहे हैं। वित्तीय साक्षरता के राष्ट्रीय एजेंडे में हमारे साथ सहभागिता करने के लिए हम आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करते हैं। मैं विश्व बैंक के भारतीय कंट्री डायरेक्टर श्री आन्नो रुल का भी धन्यवाद करता हूं जिन्होंने अपने प्रारंभिक भाषण में वित्तीय समावेशन के इस क्षेत्र में विश्व बैंक द्वारा किए जा रहे अतुलनीय कार्य का उल्लेख किया तथा वित्तीय शिक्षा की महत्ता पर प्रकाश डाला। हम आशा करते हैं कि ओईसीडी तथा विश्व बैंक की सहभागिता से हम अपने वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम को और तेज़ बना सकते हैं ताकि वित्तीय समावेशन और वित्तीय साक्षरता के अपने प्रयासों में हम और अधिक तेज़ी से प्रगति कर सकें।

4. मैं भारतीय रिज़र्व बैंक के उप गवर्नर डॉ.के.सी.चक्रवर्ती का भी आभार प्रकट करता हूं कि उन्होंने सम्मेलन की मेज़बानी की प्रक्रिया में अतुल्य मार्गनिर्देशन दिया और स्वागत भाषण देने के लिए भी सहमत हुए। सर, हम आपके दिशानिर्देशन और अभिनव विचारों के लिए आपका आभार प्रकट करते हैं। आपके अभिभाषण ने प्रभावी वित्तीय समावेशन और वित्तीय शिक्षा के अनिवार्य तत्वों को स्पष्ट रूप से इंगित किया और इस दिशा में सरकार, रिज़र्व बैंक, वित्तीय क्षेत्र के अन्य विनियामकों तथा वित्तीय संस्थाओं द्वारा किए जा रहे प्रयासों का सुसंहत विवरण प्रस्तुत किया है। मैं इस सम्मेलन के सभी डेलीगेट्स का भी धन्यवाद करता हूं जिन्होंने इस सम्मेलन में उपस्थित रहने के लिए अपना अमूल्य समय निकाला।

5. मैं यहां उपस्थित विशिष्ट आमंत्रित अतिथियों का भी धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने सम्मेलन में अपनी उपस्थिति दर्ज की और उत्साहपूर्वक सम्मेलन में भाग लिया। मैं रिज़र्व बैंक के अपने सभी साथियों को सम्मेलन में सहभागिता के लिए

* 4 मार्च 2013 को दिल्ली में भारतीय रिज़र्व बैंक के कार्यपालक निदेशक श्री जी. गोपालकृष्ण द्वारा दिया गया अभिभाषण।

धन्यवाद देता हूं। सम्मेलन को कवर करने केलिए मैं मीडिया का भी आभार प्रकट करता हूं।

6. इतने बड़े पैमाने का कार्यक्रम भारतीय रिज़र्व बैंक, नई दिल्ली कार्यालय के हमारे साथियों के हार्दिक सहयोग और प्रतिबद्धता के बिना आयोजित करना किसी भी परिस्थिति में संभव नहीं था जिसमें क्षेत्रीय निदेशक महोदय का समर्थ नेतृत्व और पूर्ण सहयोग शामिल था। इस सहायता के लिए मैं इन सभी का आभारी हूं।

एक बार पुनः सभी का धन्यवाद !